MEC

स्नातकोत्तर (अर्थशास्त्र) उपाधि कार्यक्रम
(MEC)

सत्रीय कार्य 2025–2026
द्वितीय वर्ष
उन छात्रों के लिये जिन्होंने द्वितीय वर्ष में जनवरी 2024 या उससे पहले प्रवेश लिया था।

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

एम.ए. (अर्थशास्त्र) द्वितीय वर्ष
सत्रीय कार्य 2025–2026

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि एमईसी के लिए कार्यक्रम दर्शिका में वर्णित है, पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्यों की अधिभारिता 30ः है और पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको सत्रीय कार्यों में न्यूनतम 40ः अंको की प्राप्ति अवश्य करनी होगी। ध्यान दें, सत्रीय कार्यों को जमा किये बिना आप सत्रांत परीक्षा नहीं दे सकते हैं। सत्रीय कार्य पूरे करने से पहले, कृपया आप अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में प्रदत्त निर्देशों को पढ़ लें। प्रत्येक पाठ्यक्रम में अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) शामिल हैं। आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अलग से सत्रीय कार्य तैयार करके इन्हें जमा कराना है। सुनिश्चित करें कि आपने उन सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य निर्धारित समय में जमा किए हैं, जिनकी सत्रांत परीक्षा देने की योजना आपन` बनाई है।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे। ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास निम्नलिखित समय सीमा के अंदर जमा करा देने चाहिए।

1) 31 मार्च 2026 तक उन विद्यार्थियों के लिए जो जून 2026 सत्रांत परीक्षा देने के इच्छुक हैं।

2) 30 सितंबर 2026 तक उन विद्यार्थियों के लिए जो दिसम्बर 2026 सत्रांत परीक्षा देने के इच्छुक हैं।

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी अपने पास रखें। अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। अध्ययन केंद्र द्वारा आपको मिले अंक मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू नई दिल्ली को भेजे जाएंगे।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य मे ंदिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेगें। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखेंः

1) योजना : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) संगठन : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें। उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिशचित कर लें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

3) प्रस्तुतीकरण : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ!

पाठ्यक्रम संयोजक

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

एमजीएसई 009ः कार्य, रोजगार और उत्पादकता में जेंडर (लैंगिक) मुद्दे
सत्रीय कार्य : (टीएमए)

कोर्स कोडः एमजीएसई 009
सत्रीय कार्य कोडः एमजीएसई 009/एएसटी/2025–26
अधिकतम अंकः 100

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य है। भाग–क में प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है (प्रत्येक का उत्तर लगभग 700 शब्दों में दीजिए), भाग–ख में प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है (प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए)।

भाग –क

1. जेंडर (लैंगिक) भेदभाव में कार्यस्थल पर होने वाले ऐसे व्यवहार शामिल हैं जो लक्षित व्यक्ति की नौकरी में प्रवेश करने, उसमें बने रहने, सफल होने या प्रगति करने की क्षमता को सीमित करते हैं और जो मुख्य रूप से लक्षित व्यक्ति के जेंडर का परिणाम होते हैं। – कथन पर टिप्पणी कीजिए।

2. भारतीय डेटा संग्रह प्रणाली में महिलाओं के कार्य की कम गणना से संबंधित मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

भाग – ख

3. अनौपचारिक क्षेत्र में महिला श्रमिकों के लिए हमें सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता क्यों है? पाठ्यक्रम सामग्री से लिए गए उपयुक्त उदाहरणों के साथ अपने उत्तरों की पुष्टि कीजिए।

4. मजदूरी अंतर से संबंधित परंपरावादी दृष्टिकोण और मजदूरी अंतर पर आधुनिक अर्थशास्त्रियों के विचारों की व्याख्या कीजिए।

5. श्रम बाजार भेदभाव और शोषण से संबंधित सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए।

6. राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में देखभाल अर्थव्यवस्था की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखेंः

(क) अपूर्ण श्रम बाजार सूचना

(ख) जेंडर–संबंधी विकास सूचकांक– भारत की अंतर–राज्य संबंधी रूपरेखा

(ग) महिलाओं के काम का मूल्यांकन

(घ) दृश्यमान और अदृश्य कार्य